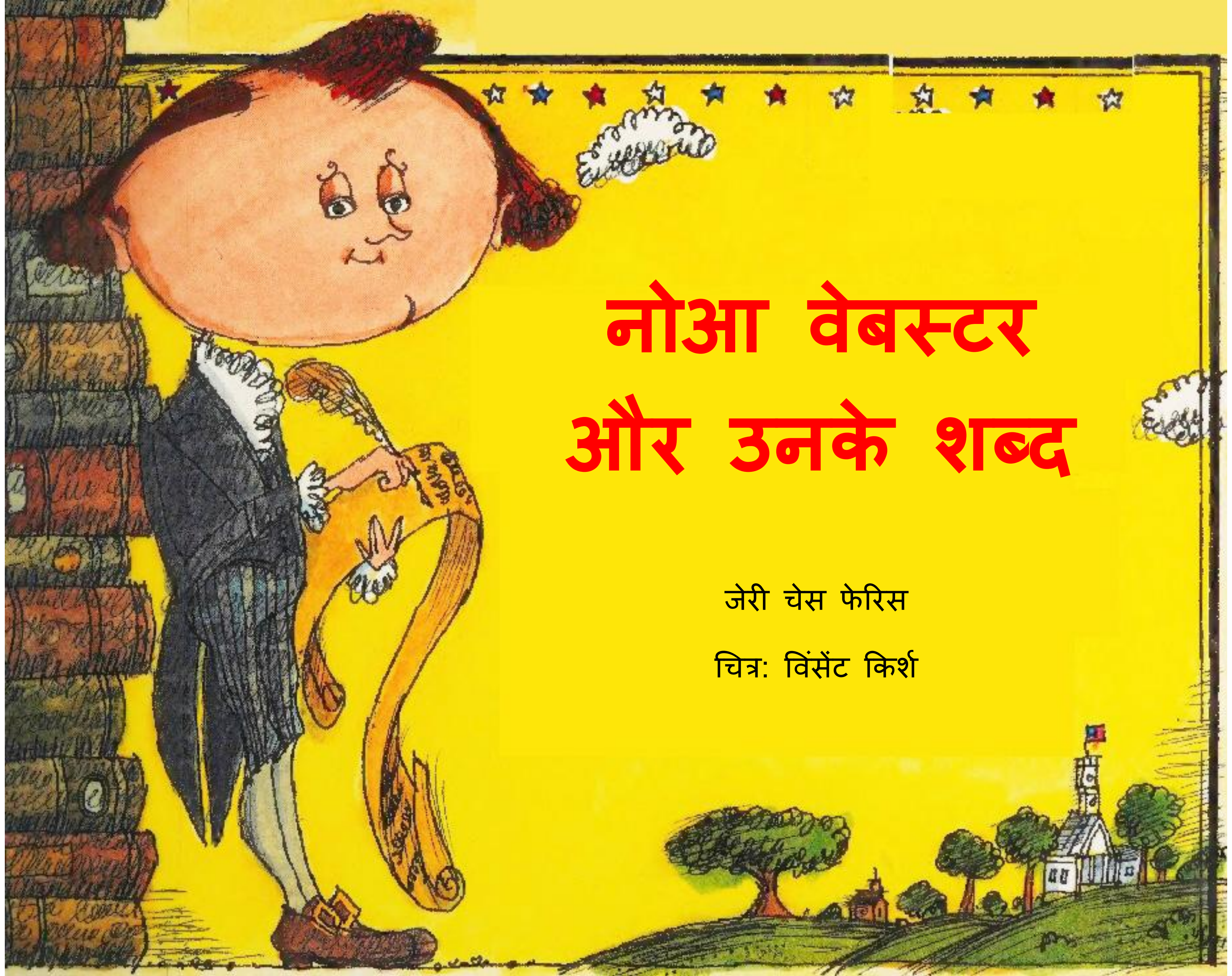


नोआ वेबस्टर और उनके शब्द

जेरी चेस फेरिस

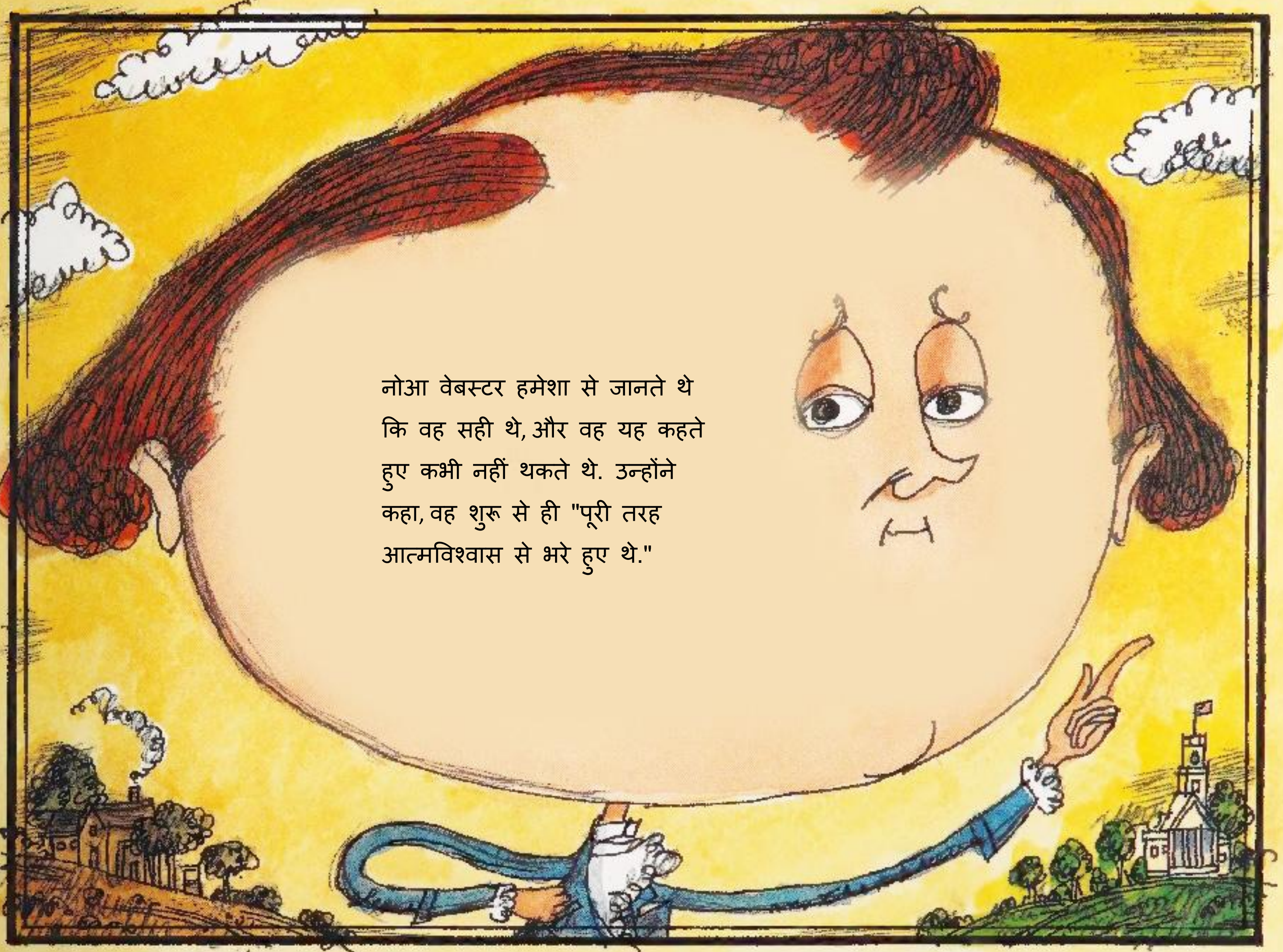
चित्र: विंसेंट किर्श

नोआ वेबस्टर और उनके शब्द

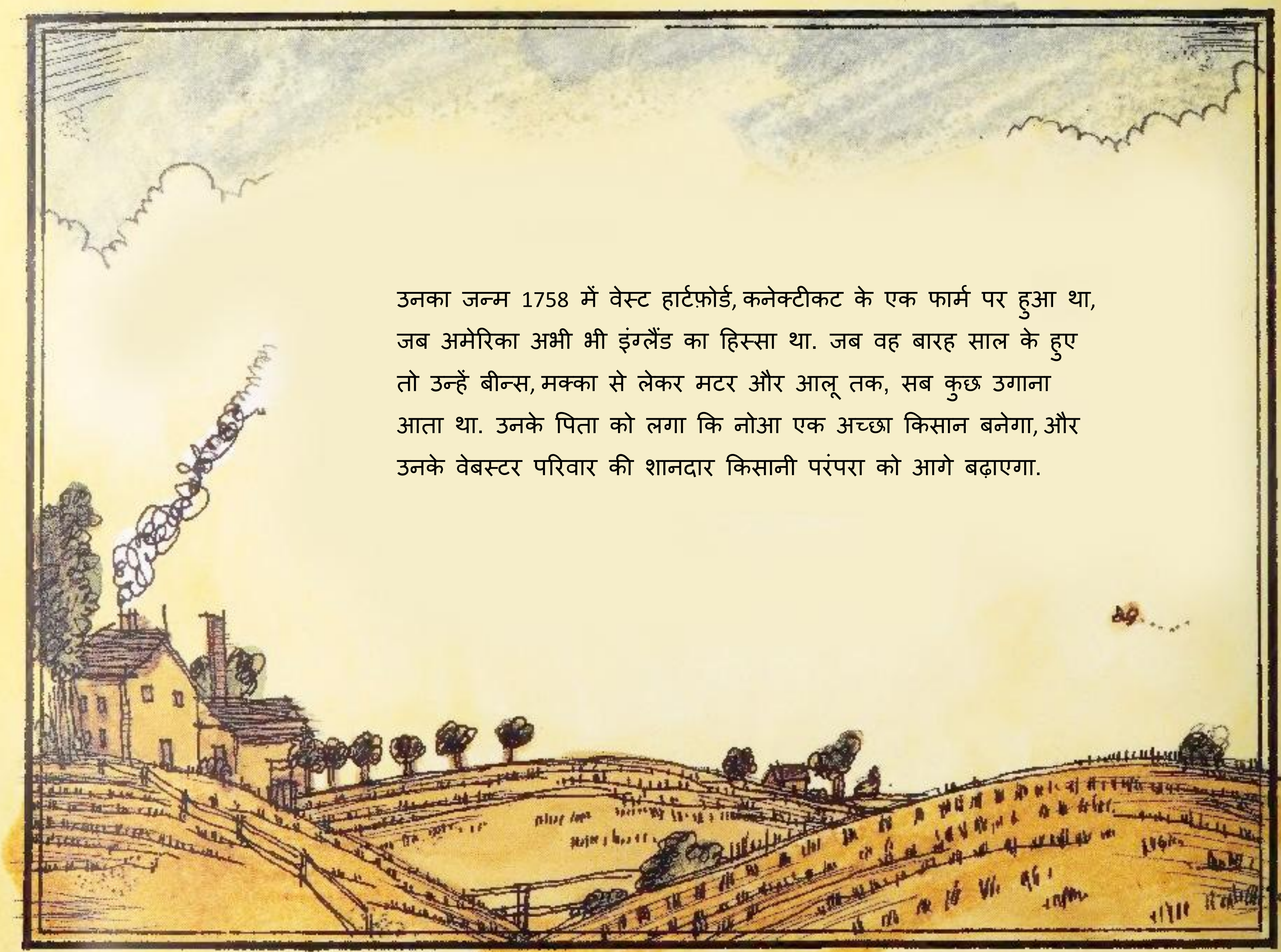


जेरी चेस फेरिस

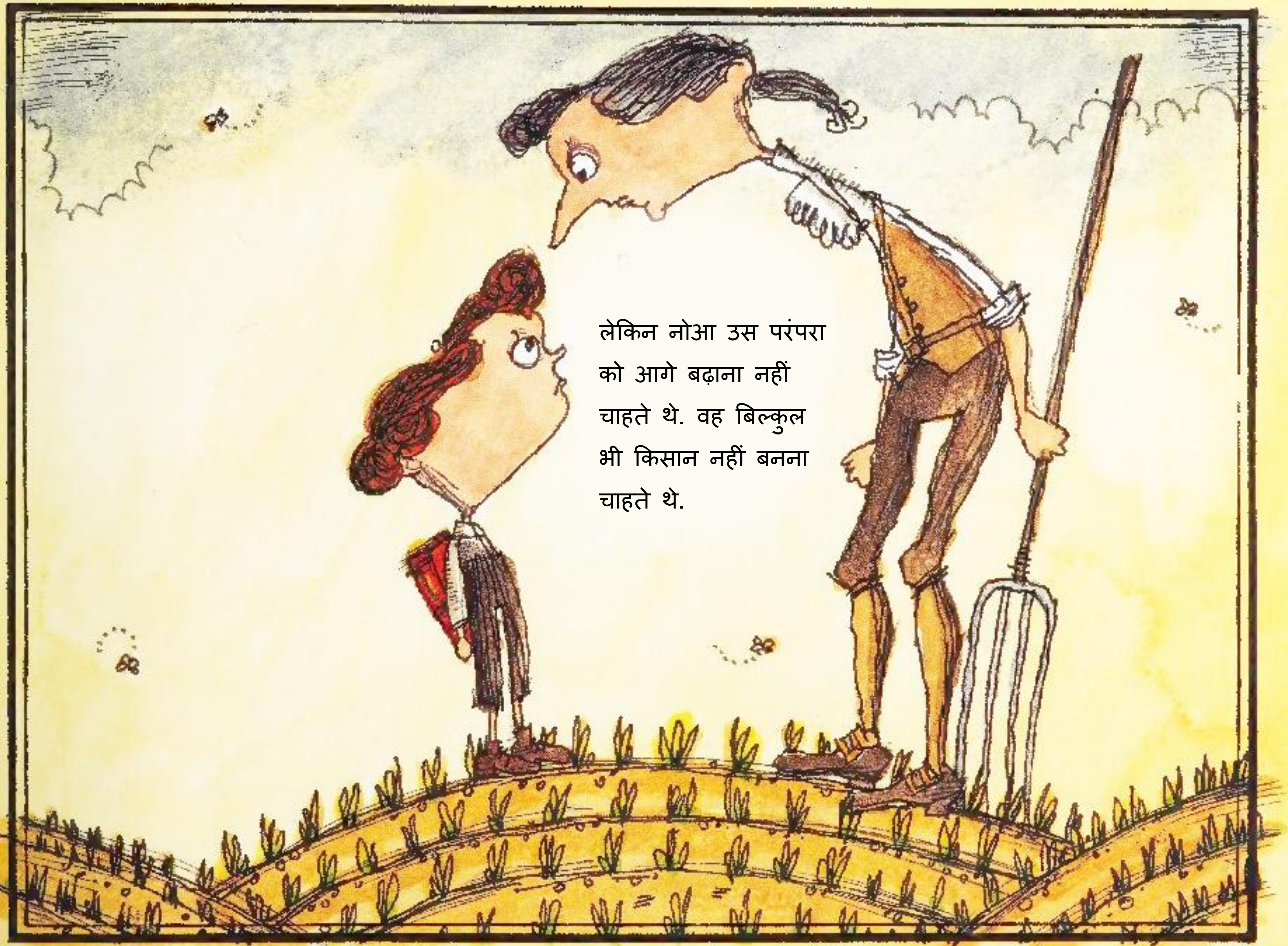
चित्र: विंसेंट किर्श



नोआ वेबस्टर हमेशा से जानते थे कि वह सही थे, और वह यह कहते हुए कभी नहीं थकते थे. उन्होंने कहा, वह शुरू से ही "पूरी तरह आत्मविश्वास से भरे हुए थे."

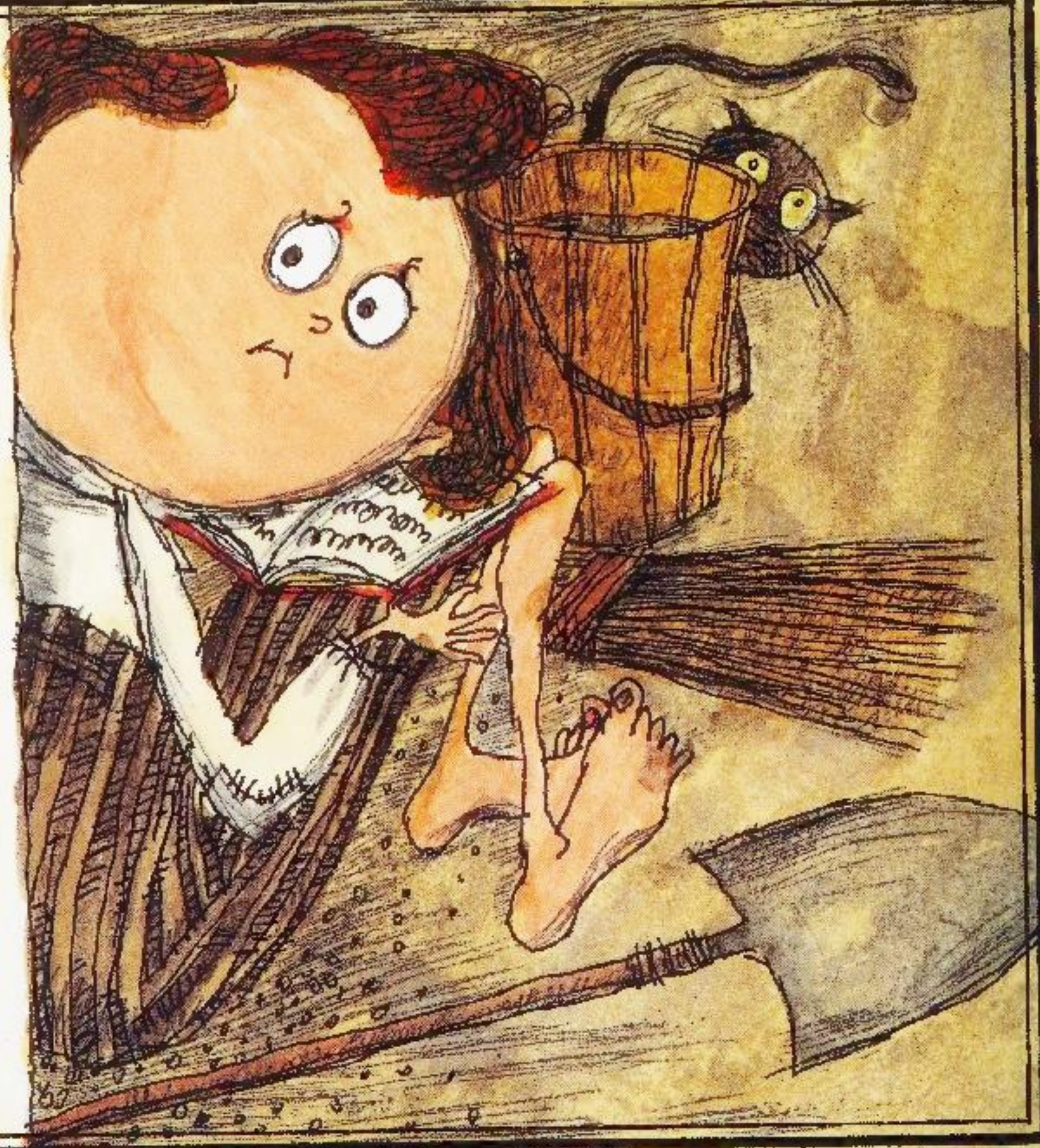


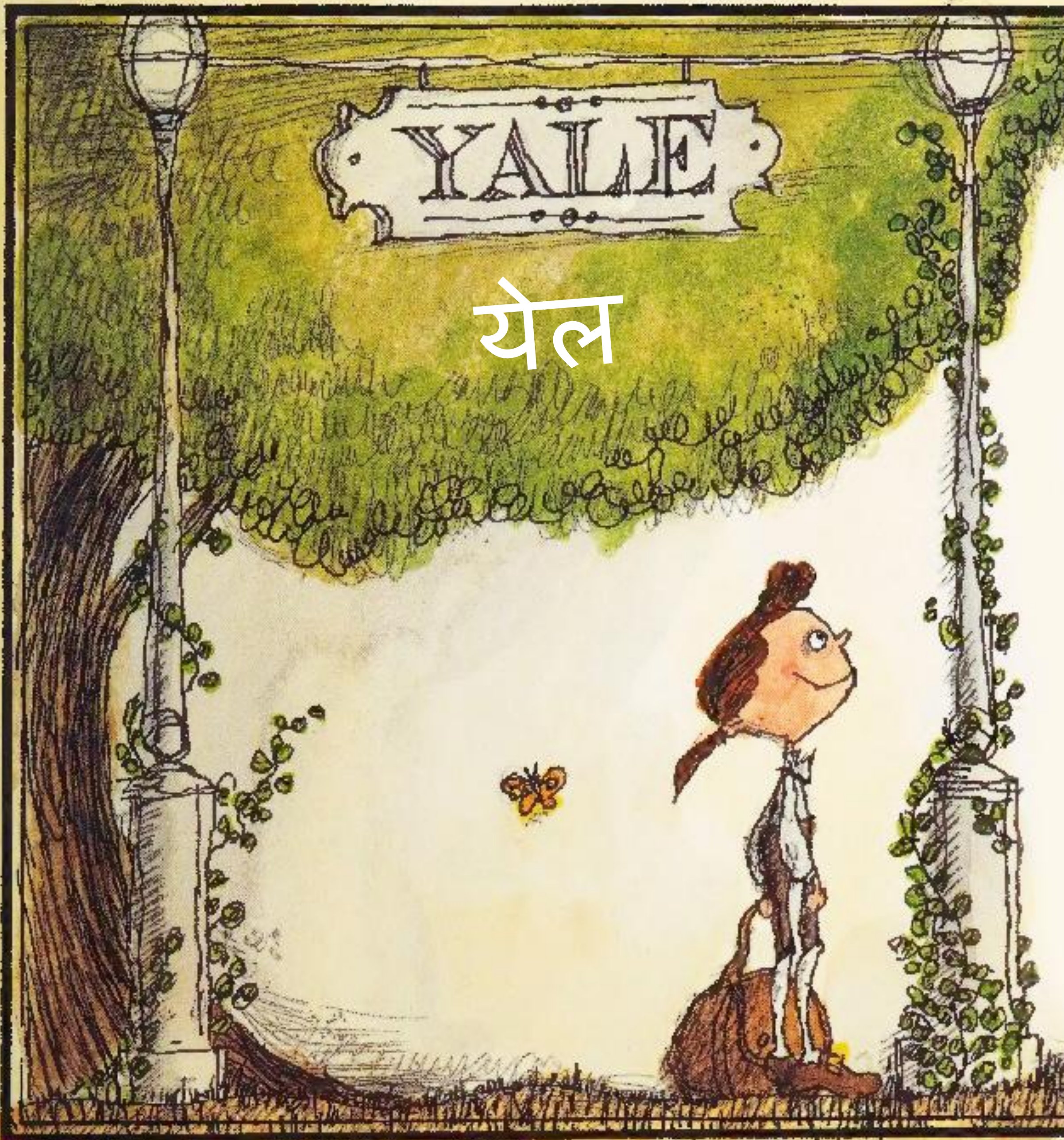
उनका जन्म 1758 में वेस्ट हार्टफ़ोर्ड, कनेक्टीकट के एक फार्म पर हुआ था, जब अमेरिका अभी भी इंग्लैंड का हिस्सा था. जब वह बारह साल के हुए तो उन्हें बीन्स, मक्का से लेकर मटर और आलू तक, सब कुछ उगाना आता था. उनके पिता को लगा कि नोआ एक अच्छा किसान बनेगा, और उनके वेबस्टर परिवार की शानदार किसानी परंपरा को आगे बढ़ाएगा.



लेकिन नोआ उस परंपरा को आगे बढ़ाना नहीं चाहते थे. वह बिल्कुल भी किसान नहीं बनना चाहते थे.

नोआ एक विद्वान बनना चाहते थे. वह लैटिन और ग्रीक का अध्ययन करना चाहते थे. उनके पिता ने कहा कि वह ऐसा कर सकता था - बशर्ते वह पहले फार्म का काम पूरा करे. लेकिन कुछ ही समय बाद पिता ने नोआ को किताबों में डूबा हुआ पाया और नोआ का काम अधूरा रहा. उससे लाल बालों वाला नोआ शर्मिंदगी से लाल हो गया.



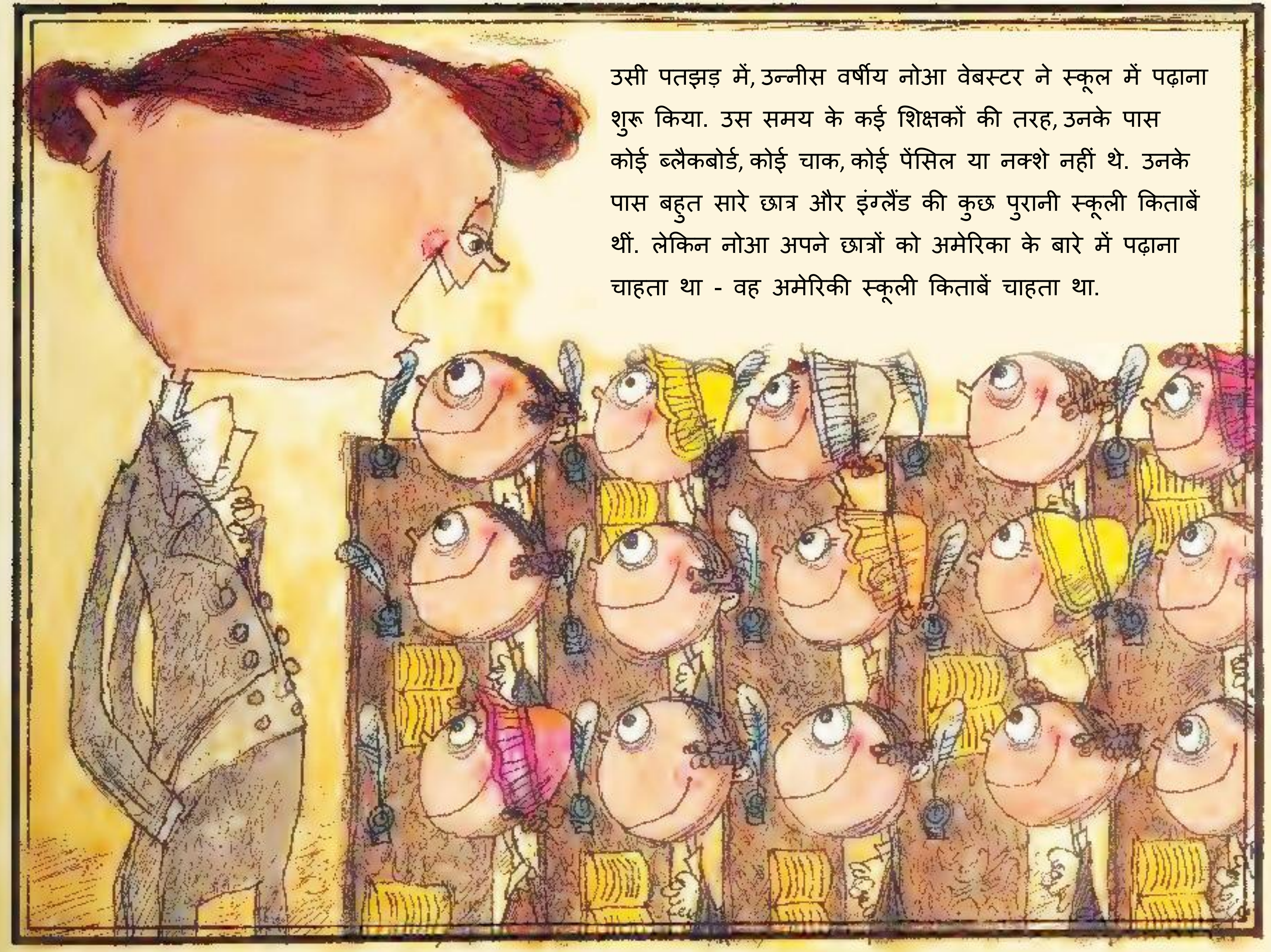


येल

मिस्टर वेबस्टर, नोआ के शिक्षक, रेवरेंड पर्किन्स से मिलने गए. रेवरेंड पर्किन्स ने मिस्टर वेबस्टर से कहा कि नोआ को खेत की बजाए स्कूल में होना चाहिए. इसलिए, जब नोआ पंद्रह वर्ष का हुआ, तो उसने देश के सबसे अच्छे कॉलेजों में से एक येल में प्रवेश लिया. केवल एक समस्या थी: येल बहुत महंगा था. मिस्टर वेबस्टर ने फीस का भुगतान करने के लिए अपने फार्म को गिरवी रखा. नोआ ने क़र्ज़ वापस भुगतान करने का वादा किया.

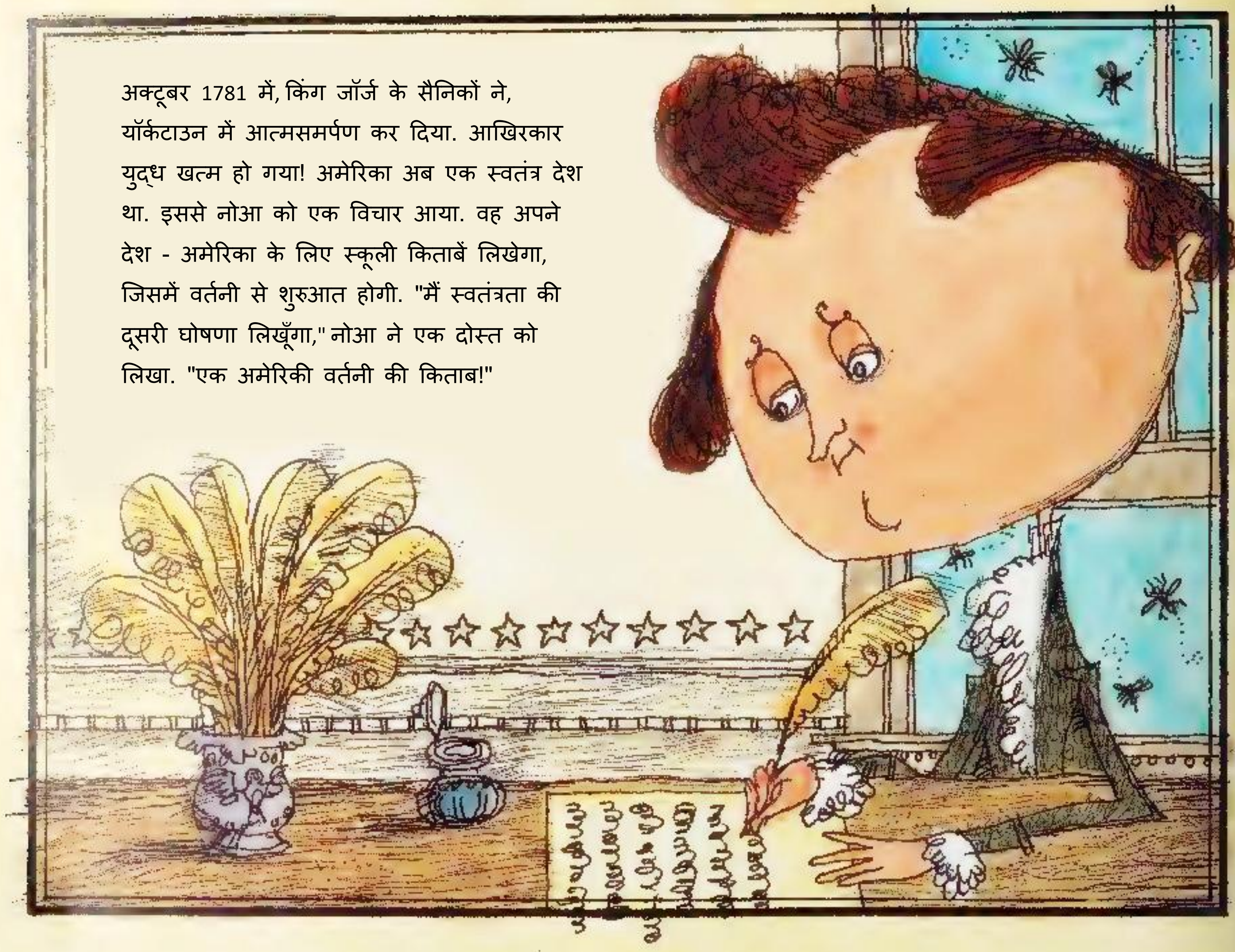
जब नोआ ने 1778 में, येल से स्नातक की डिग्री हासिल की, तो क्रांतिकारी युद्ध, जो 1775 में शुरू हुआ था, अभी भी चल रहा था. उसे क्या करना चाहिए? क्या वो सेना में शामिल हो? कानून की पढ़ाई करे? या खेती करने वापस घर लौटे? उस पर अपने पिता का बहुत सारा पैसा बकाया था, और उसे जल्दी से नौकरी ढूँढ़नी थी. उसे लगा कि वह एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए पर्याप्त जानता था.



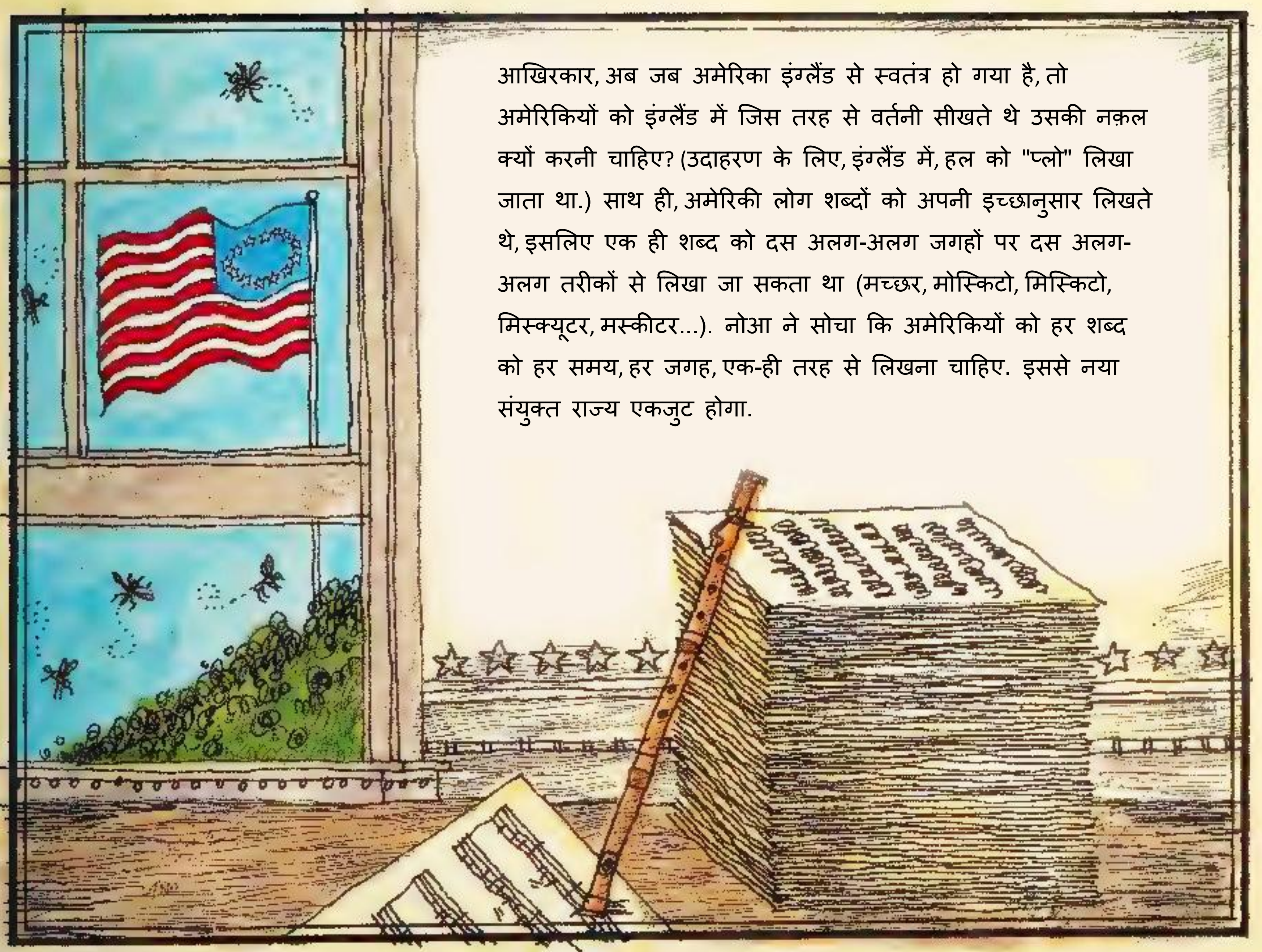


उसी पतझड़ में, उन्नीस वर्षीय नोआ वेबस्टर ने स्कूल में पढ़ाना शुरू किया. उस समय के कई शिक्षकों की तरह, उनके पास कोई ब्लैकबोर्ड, कोई चाक, कोई पेंसिल या नक्शे नहीं थे. उनके पास बहुत सारे छात्र और इंग्लैंड की कुछ पुरानी स्कूली किताबें थीं. लेकिन नोआ अपने छात्रों को अमेरिका के बारे में पढ़ाना चाहता था - वह अमेरिकी स्कूली किताबें चाहता था.

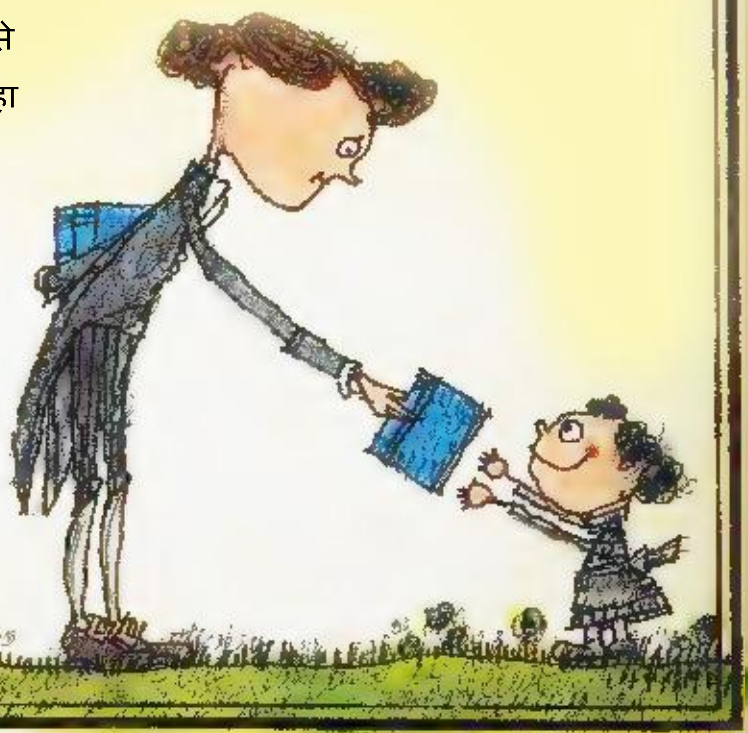
अक्टूबर 1781 में, किंग जॉर्ज के सैनिकों ने, यॉर्कटाउन में आत्मसमर्पण कर दिया. आखिरकार युद्ध खत्म हो गया! अमेरिका अब एक स्वतंत्र देश था. इससे नोआ को एक विचार आया. वह अपने देश - अमेरिका के लिए स्कूली किताबें लिखेगा, जिसमें वर्तनी से शुरुआत होगी. "मैं स्वतंत्रता की दूसरी घोषणा लिखूँगा," नोआ ने एक दोस्त को लिखा. "एक अमेरिकी वर्तनी की किताब!"



आखिरकार, अब जब अमेरिका इंग्लैंड से स्वतंत्र हो गया है, तो अमेरिकियों को इंग्लैंड में जिस तरह से वर्तनी सीखते थे उसकी नक़ल क्यों करनी चाहिए? (उदाहरण के लिए, इंग्लैंड में, हल को "प्लो" लिखा जाता था.) साथ ही, अमेरिकी लोग शब्दों को अपनी इच्छानुसार लिखते थे, इसलिए एक ही शब्द को दस अलग-अलग जगहों पर दस अलग-अलग तरीकों से लिखा जा सकता था (मच्छर, मोस्किटो, मिस्किटो, मिस्क्यूटर, मस्कीटर...). नोआ ने सोचा कि अमेरिकियों को हर शब्द को हर समय, हर जगह, एक-ही तरह से लिखना चाहिए. इससे नया संयुक्त राज्य एकजुट होगा.



लगभग दो साल तक, नोआ ने पूरे दिन पढ़ाया और हर रात अपने स्पेलर (वर्तनी की किताब) पर काम किया. जब किताब पूरी हो गई, तो *कनेक्टीकट कोर्टेंट* अखबार के प्रकाशक ने उसे छापा. नोआ चाहता था कि उसकी नई स्पेलिंग बुक अलमारियों पर रखी दूसरी किताबों से बिल्कुल अलग दिखे, इसलिए उसने अपने प्रिंटर से कहा कि वे इस पर नीला कवर लगायें. इस तरह, लोग बस "नीले कवर वाली स्पेलर" मांग सकते थे.

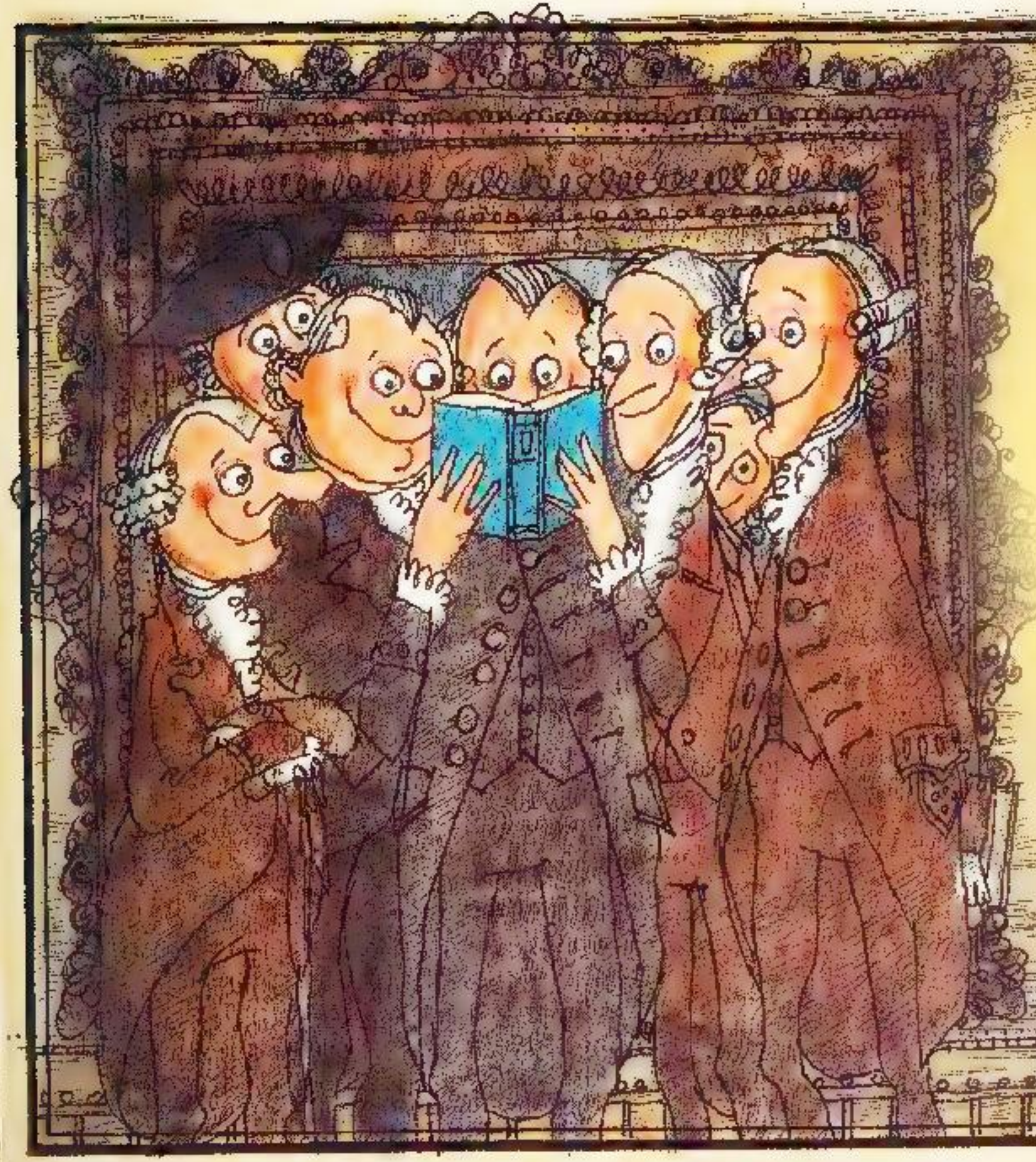


स्पेलर की कीमत बहुत ज़्यादा थी - चौदह सेंट- लेकिन वो किताब अमेरिकी चील की तरह विक्रेताओं की दुकानों से उड़ रही थी. नोआ की किताब ने न केवल स्पेलिंग सिखाई, बल्कि महत्वपूर्ण अमेरिकी तिथियों, शहरों और राज्यों को भी सूचीबद्ध किया. आखिरकार, 1783 में, एक पहली अमेरिकी स्कूली पुस्तक छपी!



नोआ अपनी किताब से बहुत खुश थे, लेकिन उनके पास अभी भी बहुत कम पैसे थे, क्योंकि उन्हें बेची गई प्रत्येक कॉपी के लिए केवल एक सेंट ही मिलता था, (बाकी पैसा प्रिंटर को मिलता था.) 1784 में उनकी दूसरी किताब प्रकाशित हुई, जो एक व्याकरण की किताब थी.



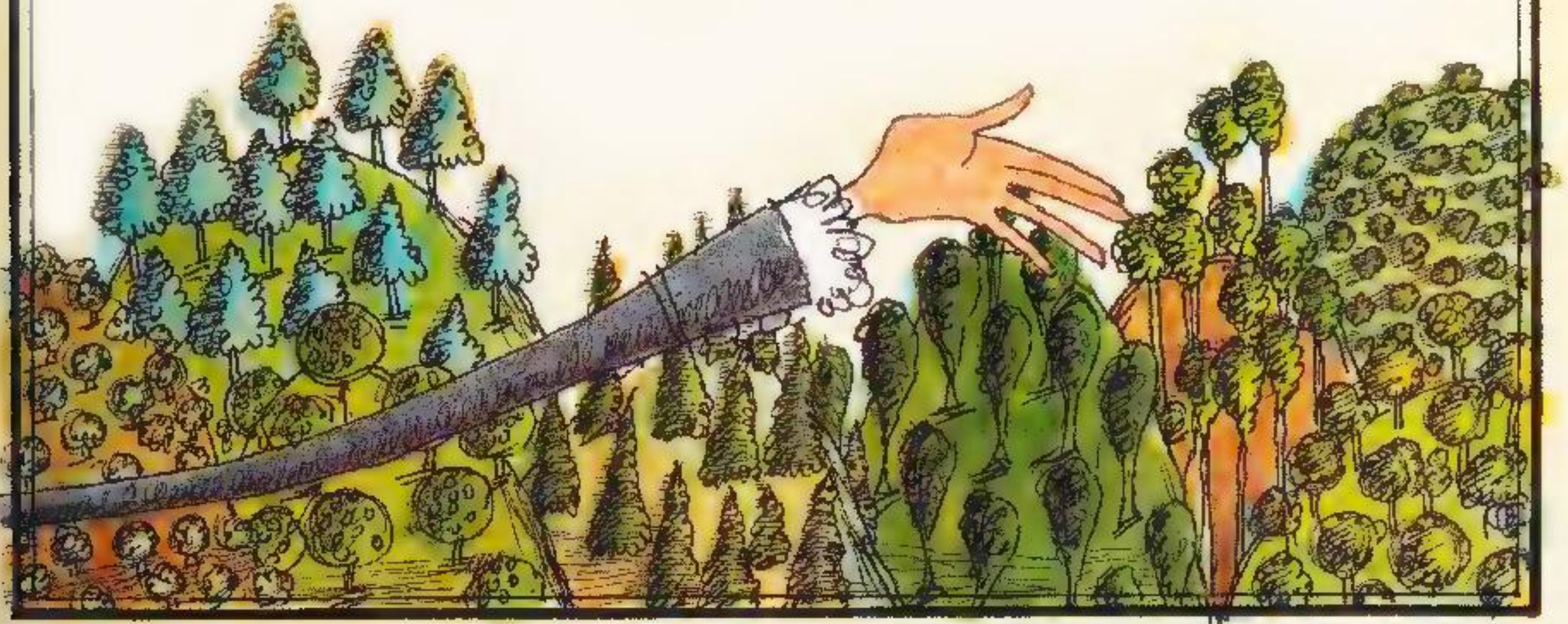


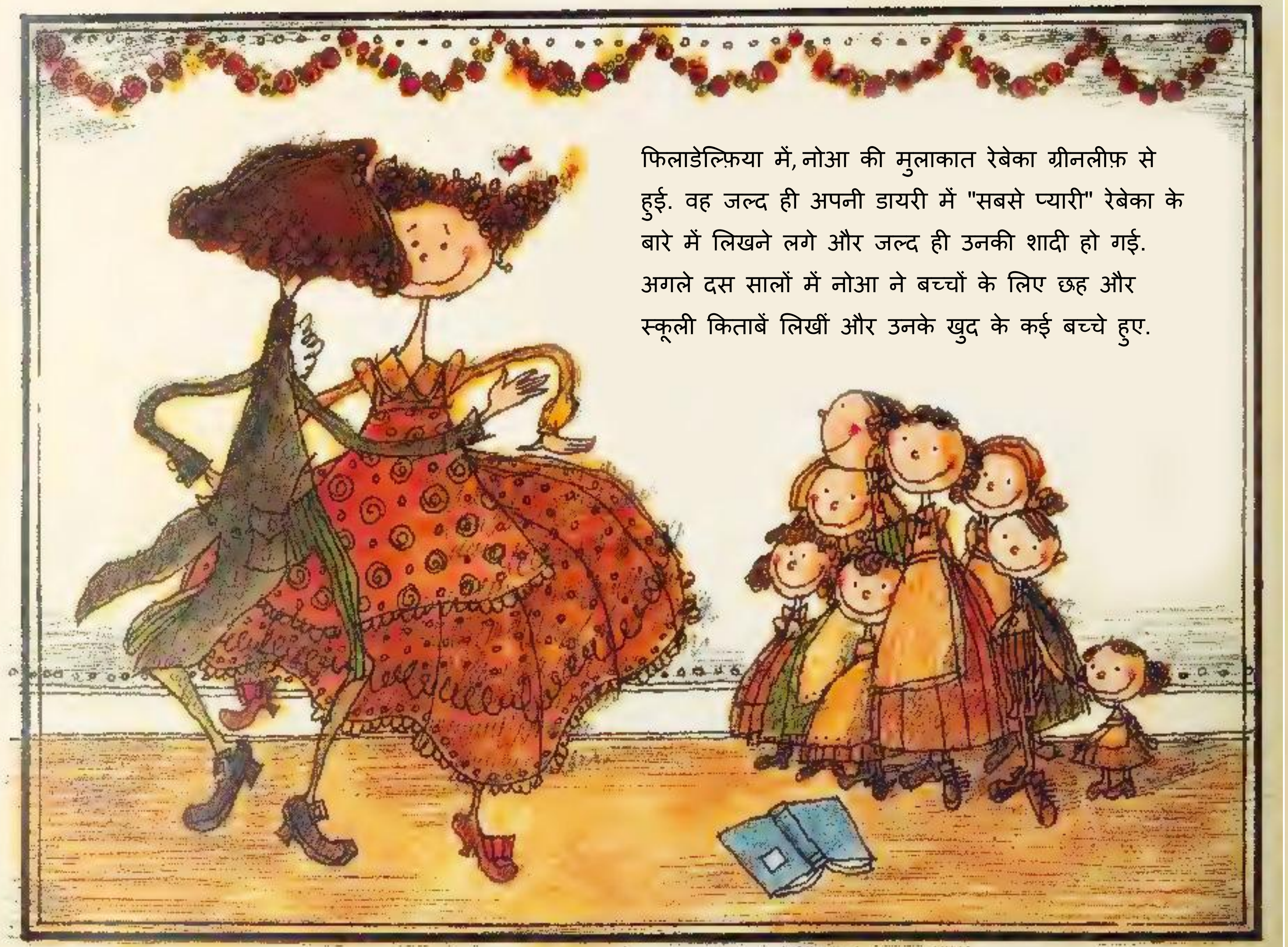
1785 में उनकी तीसरी किताब प्रकाशित हुई, जो पढ़ने की किताब थी. उससे प्रिंटर अमीर हो रहे थे. नोआ नहीं.

नोआ को अपने क़र्ज़ की चिंता थी, और उसे अमेरिका की भी चिंता थी. अमरीका में तब कोई राष्ट्रपति नहीं था. तेरह राज्यों में से प्रत्येक की अपनी करेंसी थी और वे अपने अलग-अलग नियम बनाते थे. नोआ को डर था कि कहीं अमेरिका तेरह टुकड़ों में न बंट जाए. "हमें खुद को अलग-अलग राज्य के लोगों के रूप में नहीं सोचना चाहिए," उन्होंने लिखा, "हमें खुद को अमेरिकियों के रूप में सोचना चाहिए."

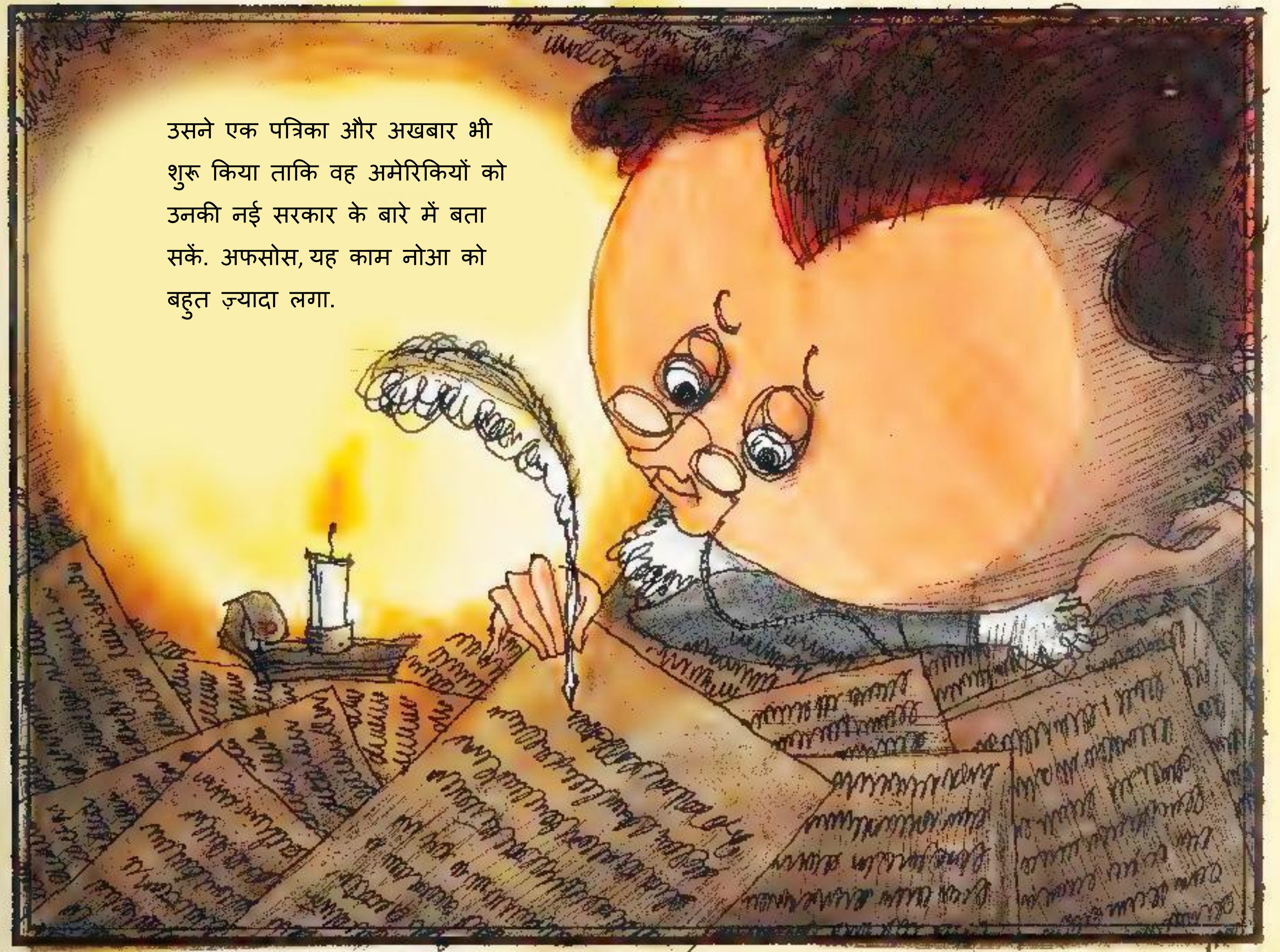


उन्होंने हर राज्य में जाकर अपनी किताबों और अपने विचारों के बारे में लोगों को बताया. वे उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम गए. उन्होंने अपनी किताबें शिक्षकों को दीं, और उन्होंने व्याख्यान भी दिए. "अब समय आ गया है.. यह एक स्वतंत्र देश है," नोआ ने दहाड़ते हुए कहा, ".. आएं हम एक राष्ट्रीय भाषा [और] सरकार स्थापित करें." उन्हें यह हिस्सा सबसे अच्छा लगता था. उन्होंने उसे बार-बार और जितनी ज़ोर से हो सका उतनी बार दोहराया.

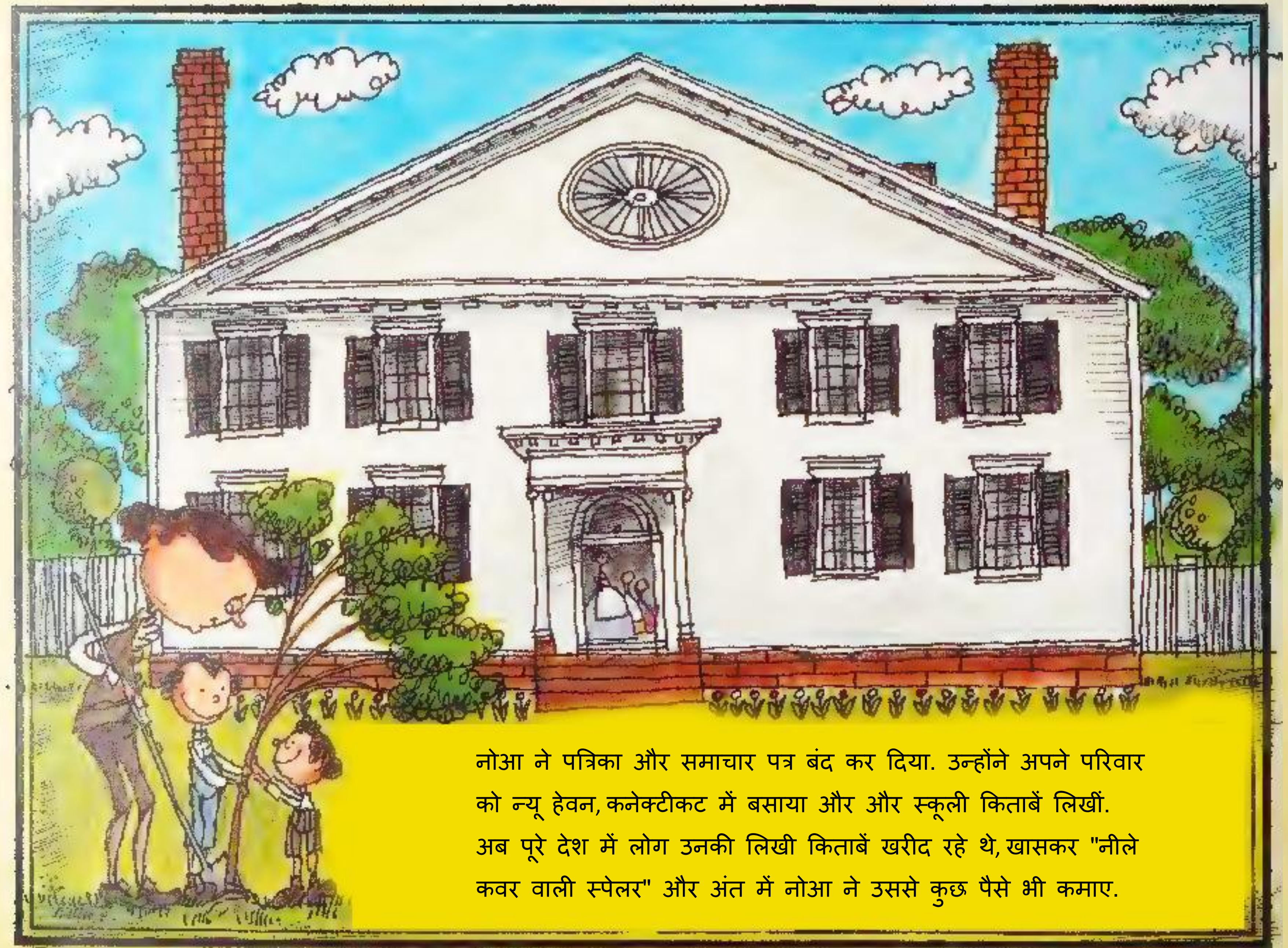




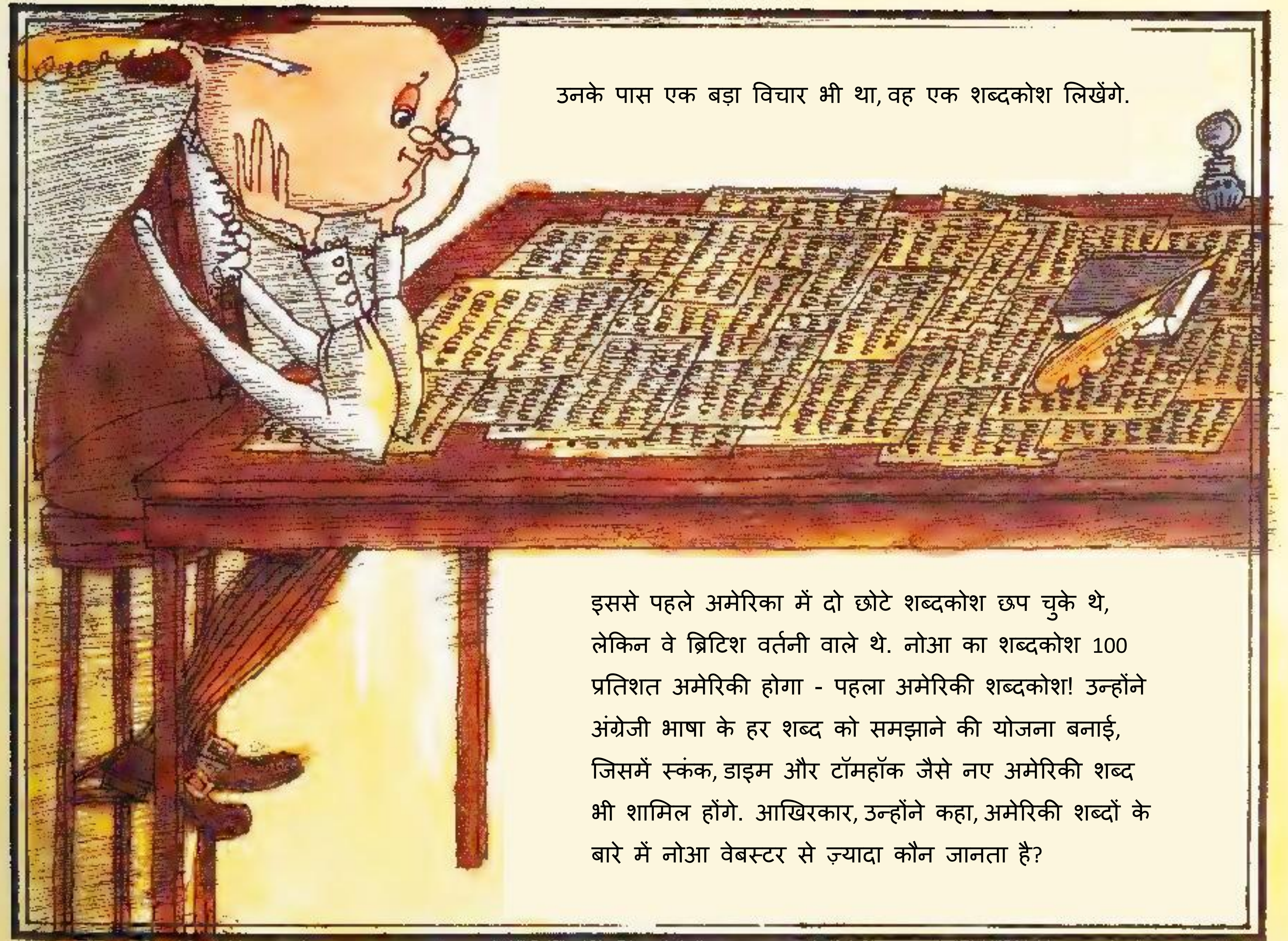
फिलाडेल्फ़िया में, नोआ की मुलाकात रेबेका ग्रीनलीफ़ से हुई. वह जल्द ही अपनी डायरी में "सबसे प्यारी" रेबेका के बारे में लिखने लगे और जल्द ही उनकी शादी हो गई. अगले दस सालों में नोआ ने बच्चों के लिए छह और स्कूली किताबें लिखीं और उनके खुद के कई बच्चे हुए.



उसने एक पत्रिका और अखबार भी शुरू किया ताकि वह अमेरिकियों को उनकी नई सरकार के बारे में बता सकें. अफसोस, यह काम नोआ को बहुत ज़्यादा लगा.



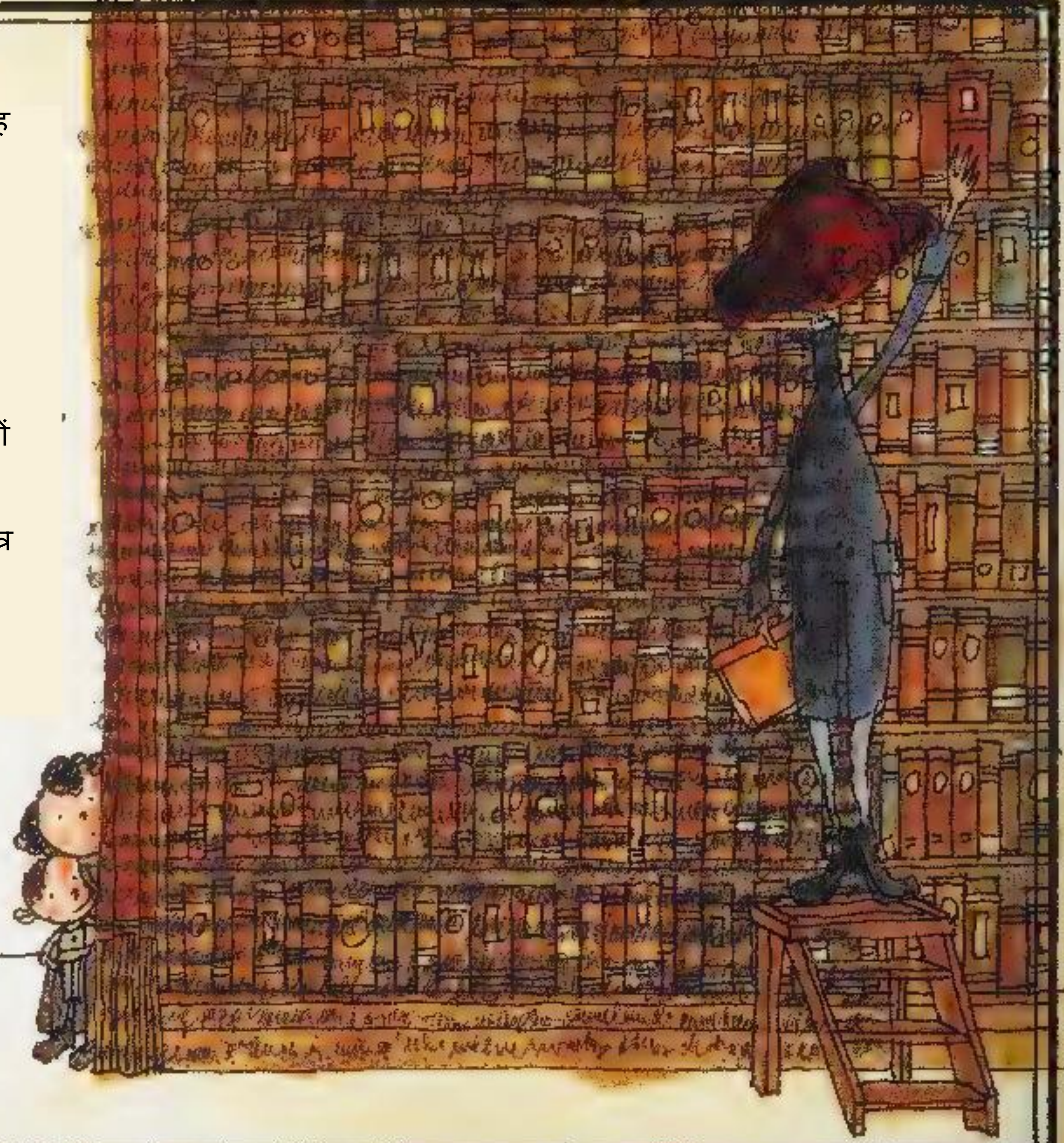
नोआ ने पत्रिका और समाचार पत्र बंद कर दिया. उन्होंने अपने परिवार को न्यू हेवन, कनेक्टीकट में बसाया और और स्कूली किताबें लिखीं. अब पूरे देश में लोग उनकी लिखी किताबें खरीद रहे थे, खासकर "नीले कवर वाली स्पेलर" और अंत में नोआ ने उससे कुछ पैसे भी कमाए.



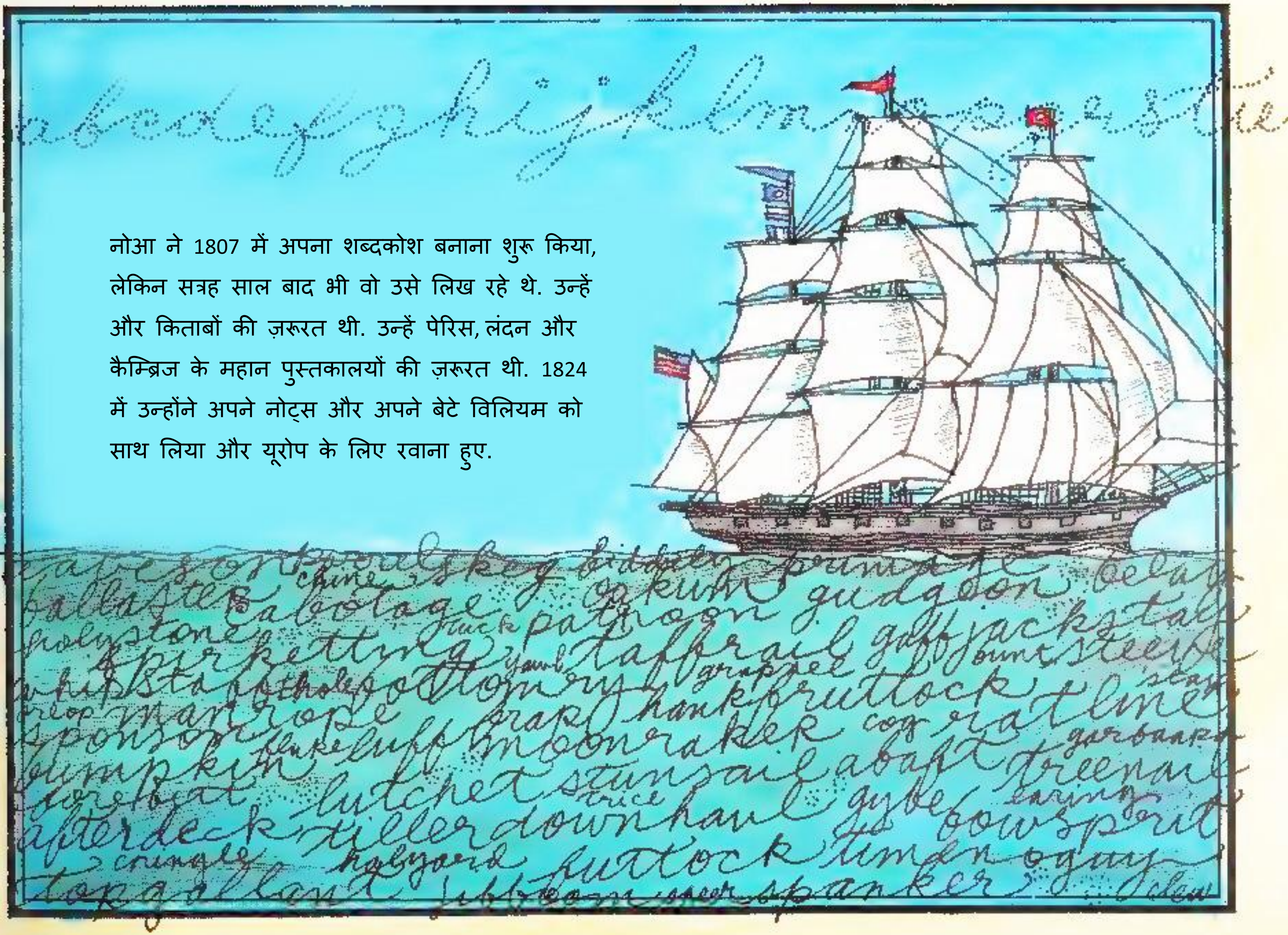
उनके पास एक बड़ा विचार भी था, वह एक शब्दकोश लिखेंगे.

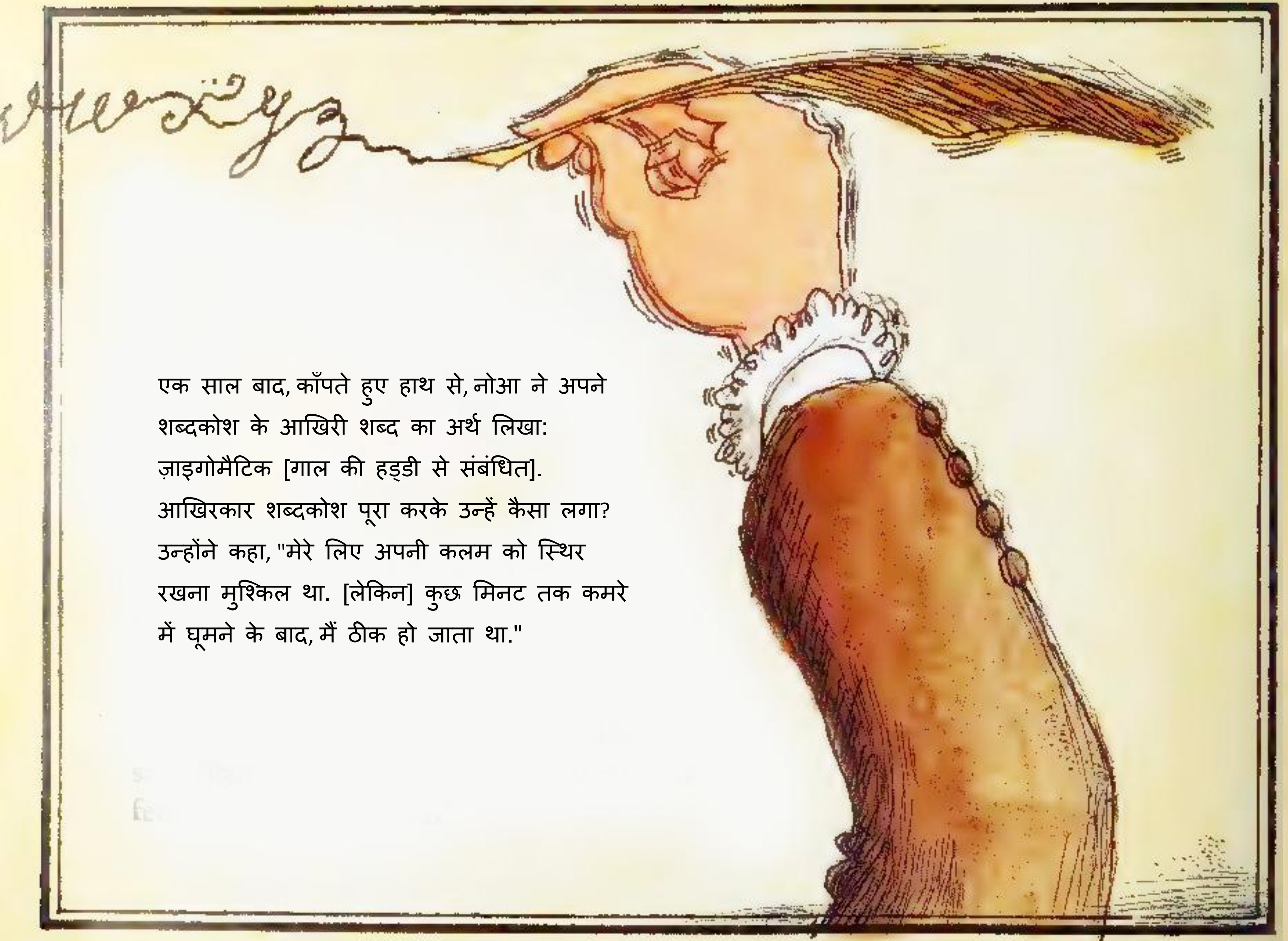
इससे पहले अमेरिका में दो छोटे शब्दकोश छप चुके थे, लेकिन वे ब्रिटिश वर्तनी वाले थे. नोआ का शब्दकोश 100 प्रतिशत अमेरिकी होगा - पहला अमेरिकी शब्दकोश! उन्होंने अंग्रेजी भाषा के हर शब्द को समझाने की योजना बनाई, जिसमें स्कंक, डाइम और टॉमहॉक जैसे नए अमेरिकी शब्द भी शामिल होंगे. आखिरकार, उन्होंने कहा, अमेरिकी शब्दों के बारे में नोआ वेबस्टर से ज़्यादा कौन जानता है?

नोआ ने फैसला लिया कि उन्हें यह दिखाने की ज़रूरत थी कि अंग्रेजी का हर शब्द कहाँ से आया था. इसलिए उन्होंने अरबी से लेकर इतालवी और वेल्श तक बीस अलग-अलग भाषाओं का अध्ययन किया. उन्होंने स्थानीय पुस्तकालयों की लगभग हर किताब पढ़ी, और अपने शब्दकोश के लिए शब्द एकत्र किए. उन्होंने येल विश्वविद्यालय के पुस्तकालय की भी लगभग हर किताब पढ़ी.

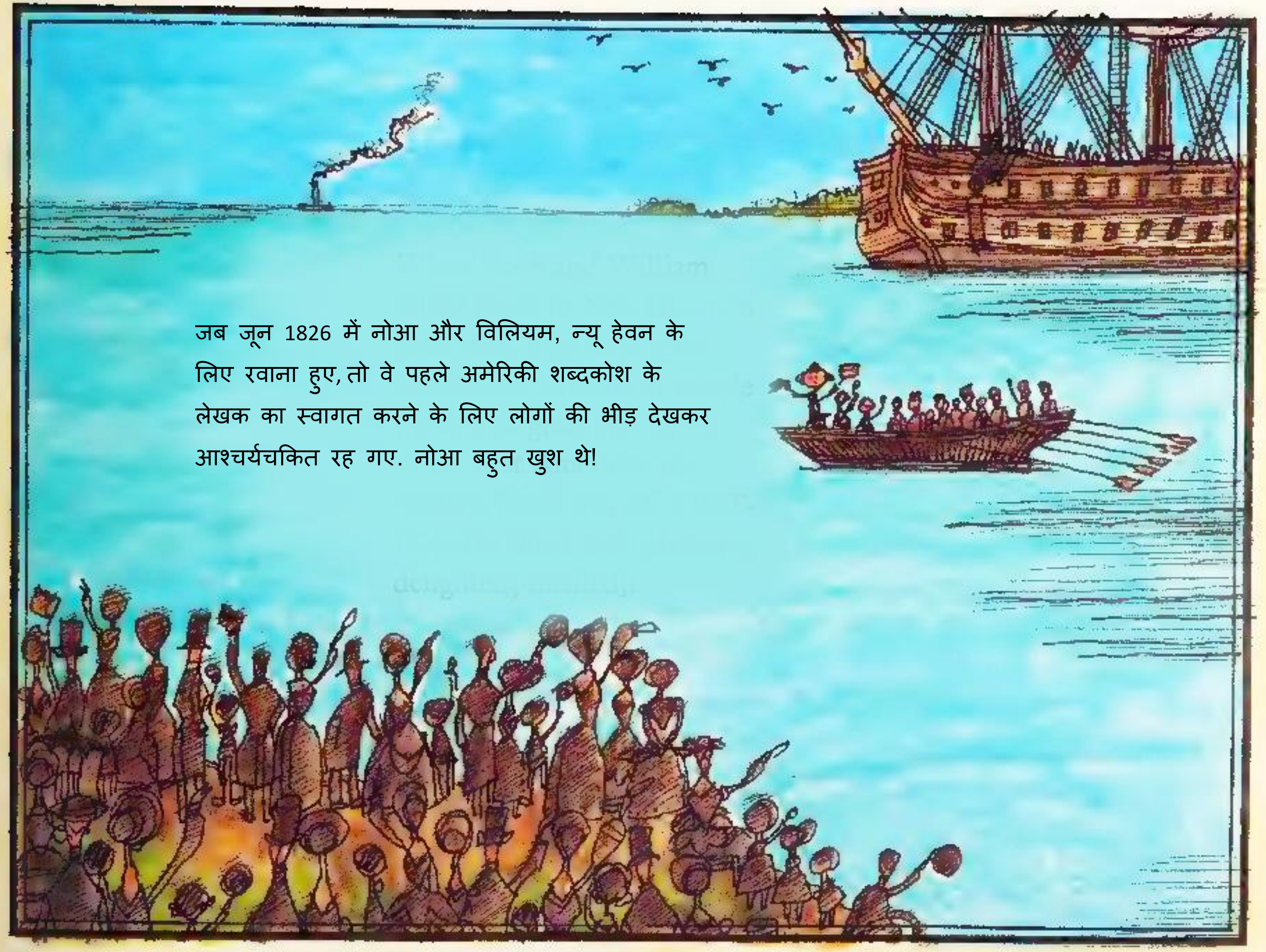


नोआ ने 1807 में अपना शब्दकोश बनाना शुरू किया, लेकिन सत्रह साल बाद भी वो उसे लिख रहे थे. उन्हें और किताबों की ज़रूरत थी. उन्हें पेरिस, लंदन और कैम्ब्रिज के महान पुस्तकालयों की ज़रूरत थी. 1824 में उन्होंने अपने नोट्स और अपने बेटे विलियम को साथ लिया और यूरोप के लिए रवाना हुए.





एक साल बाद, काँपते हुए हाथ से, नोआ ने अपने शब्दकोश के आखिरी शब्द का अर्थ लिखा: ज़ाइगोमैटिक [गाल की हड्डी से संबंधित]. आखिरकार शब्दकोश पूरा करके उन्हें कैसा लगा? उन्होंने कहा, "मेरे लिए अपनी कलम को स्थिर रखना मुश्किल था. [लेकिन] कुछ मिनट तक कमरे में घूमने के बाद, मैं ठीक हो जाता था."

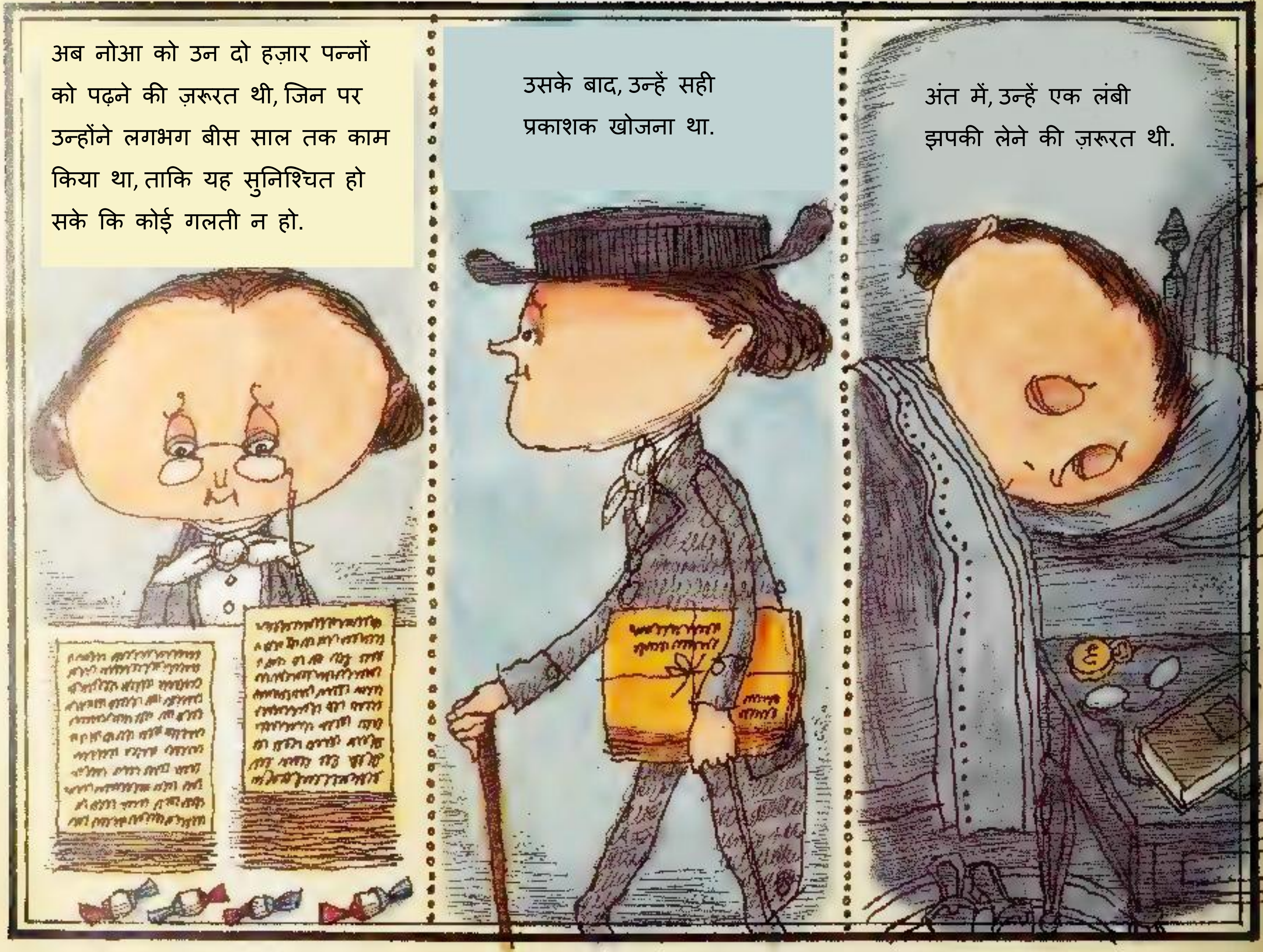


जब जून 1826 में नोआ और विलियम, न्यू हेवन के लिए रवाना हुए, तो वे पहले अमेरिकी शब्दकोश के लेखक का स्वागत करने के लिए लोगों की भीड़ देखकर आश्चर्यचकित रह गए. नोआ बहुत खुश थे!

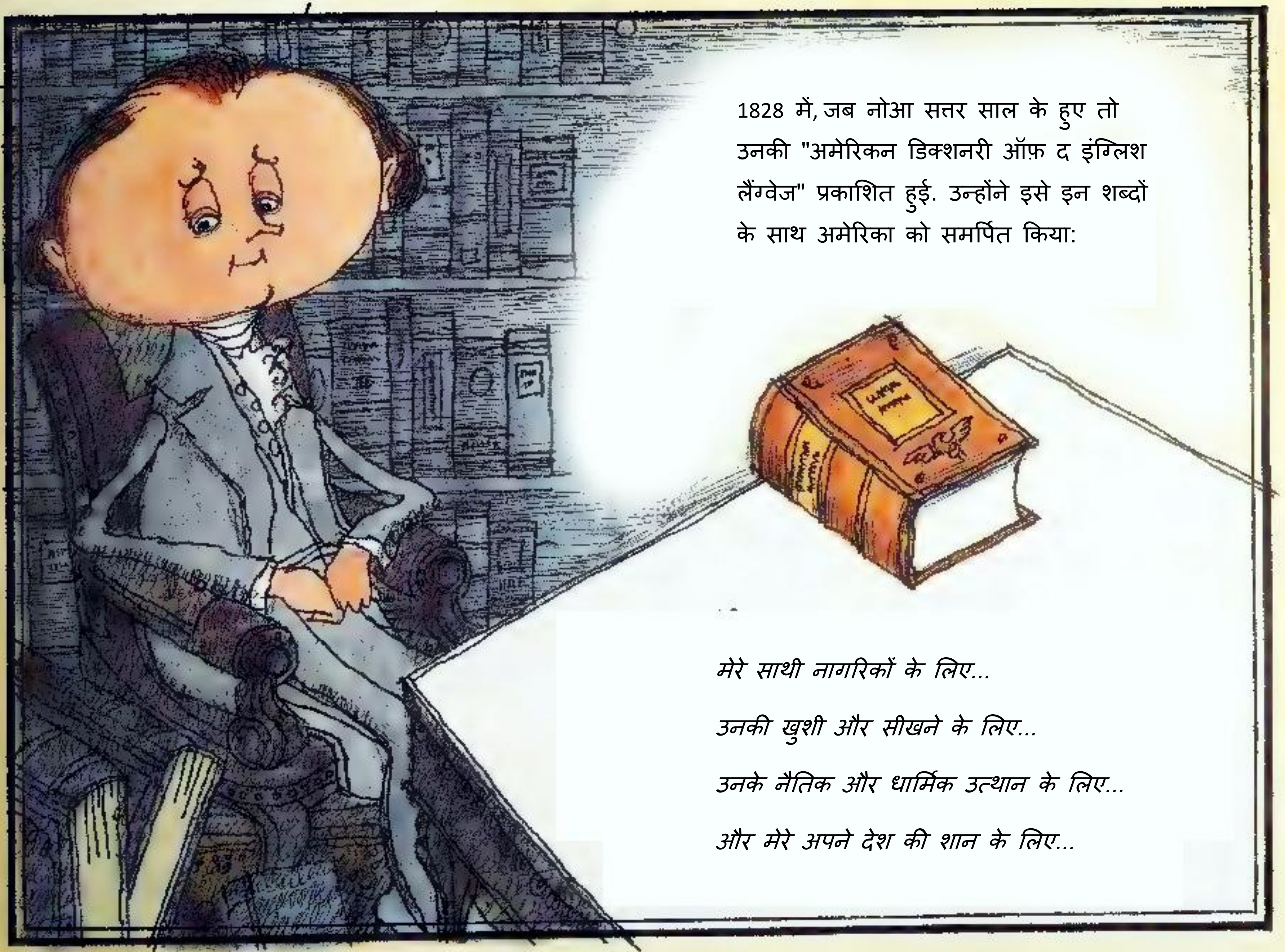
अब नोआ को उन दो हज़ार पन्नों को पढ़ने की ज़रूरत थी, जिन पर उन्होंने लगभग बीस साल तक काम किया था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई गलती न हो.

उसके बाद, उन्हें सही प्रकाशक खोजना था.

अंत में, उन्हें एक लंबी झपकी लेने की ज़रूरत थी.



1828 में, जब नोआ सत्तर साल के हुए तो उनकी "अमेरिकन डिक्शनरी ऑफ़ द इंग्लिश लैंग्वेज" प्रकाशित हुई. उन्होंने इसे इन शब्दों के साथ अमेरिका को समर्पित किया:



मेरे साथी नागरिकों के लिए...

उनकी खुशी और सीखने के लिए...

उनके नैतिक और धार्मिक उत्थान के लिए...

और मेरे अपने देश की शान के लिए...

नोआ की मृत्यु 1843 में एक लंबे, व्यस्त जीवन के बाद हुई. लेकिन यह नोआ वेबस्टर का अंत नहीं था. जब 1800 के दशक की शुरुआत में पायनियर पश्चिम की ओर गए, तो नोआ की नीले कवर वाली स्पेलर उनकी ढंकी हुए वैगनों में थी.

जब 1865 में गृह युद्ध समाप्त हुआ, तो नए मुक्त हुए दासों ने नोआ के स्पेलर से पढ़ना सीखा.

नोआ का शब्दकोश बाइबल के बाद अंग्रेजी में छपी दूसरी सबसे लोकप्रिय पुस्तक है. यह हर पुस्तकालय में, अधिकांश घरों में, हमारे स्कूलों में और हमारे कंप्यूटरों पर है - अमेरिकियों को अंग्रेजी भाषा के लगभग हर शब्द को कैसे लिखना है, उसका उपयोग कैसे करना है और कैसे बोलना है, यह सिखाती है.



नोआ वेबस्टर के शब्दों ने अमेरिका को एकजुट किया, उन्हें हमेशा पता था कि वे सही थे!



नोआ वेबस्टर और नया संयुक्त राज्य अमेरिका

1758 नोआ का जन्म 16 अक्टूबर को हार्टफोर्ड, कनेक्टिकट के पश्चिमी डिवीजन में हुआ. यह "पश्चिमी डिवीजन" 1854 में वेस्ट हार्टफोर्ड बन गया.

1770 ब्रिटिश रेडकोट (अंग्रेजी सैनिक) बोस्टन नरसंहार में अमेरिकियों की एक गुस्साई भीड़ पर गोली चलाई.

1773 उपनिवेशवासी, इंग्लैंड के राजा द्वारा उनके लिए बनाए गए नियमों से नाराज हुए. 16 दिसंबर को एक विद्रोह हुआ- जिसे *बोस्टन टी पार्टी* कहते हैं. बिना प्रतिनिधित्व के ब्रिटिश को कर चुकाने के खिलाफ.

1774 नोआ ने पंद्रह वर्ष की आयु में न्यू हेवन, कनेक्टीकट में येल में प्रवेश किया. (हमें लगता है कि नोआ के पिता ने येल में नोआ की फीस के भुगतान के लिए अपने फॉर्म को गिरवी रखकर ऋण लिया था, लेकिन वास्तविक ऋण-पत्र कहीं नहीं मिले हैं.)

1775 अमेरिकी मिनट-मेन [एक मिनट के नोटिस पर लड़ने के लिए तैयार घुड़सवार] लेक्सिंगटन और कॉनकॉर्ड में ब्रिटिश रेडकोट्स से लड़े. फिर अमेरिकी क्रांति शुरू हुई.

1775 जनरल जॉर्ज वाशिंगटन एकदम नई अमेरिकी सेना की कमान संभालने के लिए न्यू हेवन से होकर गुज़रे. नोआ ने परेड में गर्व से अपनी बांसुरी बजाई.

1776 4 जुलाई को स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए.

1777 नोआ अपने भाइयों और पिता की मिलिशिया के साथ ब्रिटिश सेना के खिलाफ एक मार्च में शामिल हुए, लेकिन उन्हें लड़ना नहीं पड़ा.

1778 नोआ, उन्नीस वर्ष की आयु में, येल से स्नातक हुए और फिर एक स्कूल में पढ़ाना शुरू किया.

1781 ब्रिटिश सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया. क्रांतिकारी युद्ध समाप्त हो गया.

1783 पेरिस की संधि ने औपचारिक रूप से अमेरिकी क्रांति को समाप्त कर दिया. नोआ की पहली पुस्तक, एक स्पेलर प्रकाशित हुई. उन्होंने इसका नाम “ए ग्रॅामेटिकल इंस्टीट्यूट ऑफ द इंग्लिश लैंग्वेज” रखा. बाकी सभी इसे "ब्लू-बैक्ड स्पेलर" कहते हैं.

1784 नोआ की दूसरी पुस्तक, एक व्याकरण, प्रकाशित हुई.

1785 नोआ एक मजबूत केंद्रीय सरकार की आवश्यकता पर चर्चा करने के लिए जॉर्ज वाशिंगटन से मिलने गए. नोआ की तीसरी किताब, एक रीडर, प्रकाशित हुई (भाग 3). उन्होंने अपनी पुस्तकों और अपने विचारों को बढ़ावा देने के लिए देश भर की यात्रा की.

1787 संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान स्वीकृत हुआ और वो एक कानून बन गया. उसमें नोआ के भी कुछ विचार शामिल थे. नोआ, न्यूयॉर्क शहर चले गए और उन्होंने एक अमेरिकन मैगज़ीन का संपादन करना शुरू कर दिया. वो काम एक साल तक चला.

1789 जॉर्ज वॉशिंगटन 30 अप्रैल को संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने. अक्टूबर में, नोआ ने रेबेका ग्रीनलीफ़ से शादी की और वे हार्टफ़ोर्ड, कनेक्टीकट में चले गए. नोआ ने किताबें, निबंध और व्याख्यान लिखना जारी रखा. उन्होंने एक वकील के रूप में भी काम किया.

1798 वेबस्टर परिवार न्यू हेवन, कनेक्टीकट में रहने चला गया.

1793 नोआ न्यूयॉर्क शहर वापस चले गए और वहां उन्होंने एक समाचार पत्र, "अमेरिकन मिनर्वा" प्रकाशित करना शुरू किया, जो पाँच साल तक चला.

1800 नोआ ने एक छोटे से शब्दकोश पर काम करना शुरू किया, जिसे उन्होंने अंग्रेजी भाषा का एक संक्षिप्त शब्दकोश कहा. यह 1806 में प्रकाशित हुआ, लेकिन यह बहुत छोटा था.

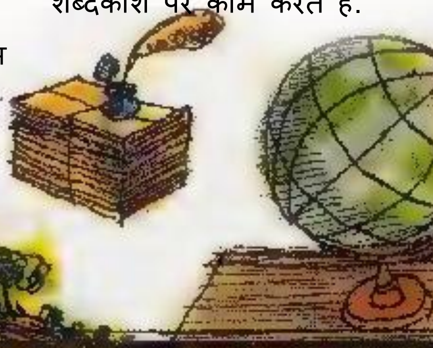


1807 उन्होंने अपना महान अमेरिकी शब्दकोश लिखना शुरू किया.

1812 नोआ और उनका परिवार एमहर्स्ट, मैसाचुसेट्स चले गए. उन्होंने राज्य विधानमंडल में सेवा की और एमहर्स्ट कॉलेज की स्थापना में मदद की. उन्होंने शब्दकोश पर भी काम किया.



1822 नोआ और उनका परिवार येल पुस्तकालयों के करीब रहने के लिए न्यू हेवन चले गए. वह अपने शब्दकोश पर काम करते हैं.



1824 नोआ अपने शब्दकोश के लिए फ्रांस और इंग्लैंड के पुस्तकालयों का उपयोग करने के लिए यूरोप की यात्रा की.

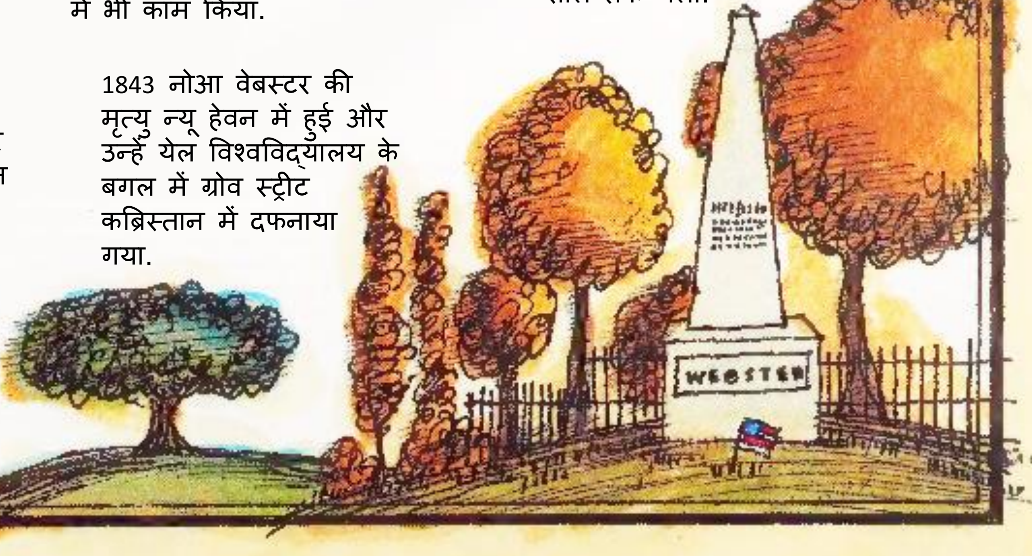
1825 नोआ अपने शब्दकोश में अंतिम शब्द लिखे, अपने कागजात पैक किए और घर लौटे.



1828 बीस साल के काम के बाद वेबस्टर का शब्दकोश प्रकाशित हुआ. नोआ ने और किताबें, निबंध और व्याख्यान लिखना जारी रखा.



1843 नोआ वेबस्टर की मृत्यु न्यू हेवन में हुई और उन्हें येल विश्वविद्यालय के बगल में ग्रोव स्ट्रीट कब्रिस्तान में दफनाया गया.



नोआ वेबस्टर के बारे में अधिक जानकारी

नोआ वेबस्टर को शब्दों से प्यार था, उन्हें गाना, नाचना और बांसुरी बजाना भी पसंद था. उन्हें लगता था कि उनकी आवाज़ बहुत अच्छी थी, इसलिए उन्होंने अपनी किताबों के प्रचार के लिए यात्रा करते समय अतिरिक्त आकर्षण के रूप में लोगों को गायन भी सिखाया. जब भी उन्हें मौका मिलता, वे संगीत और डांस देखने जाते थे और अपनी डायरी में लिखते थे कि उन्हें "नृत्य करने के बाद बहुत अच्छा लगता है." यहां तक कि वे अपनी भावी पत्नी रेबेका से भी नृत्य करते हुए मिले.

नोआ और रेबेका के आठ बच्चे थे (एमिली, जूलिया, हैरियट, मैरी, विलियम, एलिजा, हेनरी और लुइसा), और नोआ की जेब हमेशा कैंडी और मीठी गोलियों से भरी रहती थी. उन्हें अपने बच्चों और नए संयुक्त राज्य अमेरिका के सभी बच्चों के भविष्य की बहुत परवाह थी. उन्होंने लिखा, "सरकार का पहला काम अपने बच्चों की शिक्षा होनी चाहिए." और नोआ के शब्दों का यही मतलब था.

जब नोआ गा नहीं रहे होते, नाच नहीं रहे होते या बांसुरी नहीं बजा रहे होते, तो वह शायद लिख रहे होते या बात कर रहे होते थे. 1781 में जैसे ही क्रांतिकारी युद्ध समाप्त हुआ, नोआ ने तेरह अलग-अलग सरकारों की बजाए एक मजबूत केंद्रीय सरकार की आवश्यकता के बारे में बातें करना शुरू की. (नए संयुक्त राज्य अमेरिका में 1789 तक कोई राष्ट्रपति भी नहीं था!) उन्होंने जॉर्ज वाशिंगटन से पूरे देश के लिए समान कानून रखने की आवश्यकता के बारे में बात की. जनरल वाशिंगटन ने जेम्स मैडिसन से बात की, जो संविधान लिखने का काम कर रहे थे, और मिस्टर मैडिसन ने नोआ को उनके विचारों के लिए धन्यवाद दिया.

नोआ वेबस्टर, बेंजामिन फ्रैंकलिन, अलेक्जेंडर हैमिल्टन, थॉमस पेन, चार्ल्स विल्सन पील, डॉ. बेंजामिन रश, डेविड रिटनहाउस, एज़्रा स्टाइल्स और अन्य लोगों को भी जानते थे. वे साथ में भोजन करते थे, साथ में बात करते थे, साथ में बहस करते थे. उन्होंने साथ मिलकर एक नया राष्ट्र बनाया.

नोआ ने कहा, "अमेरिका में हर बच्चे को अपने देश से परिचित होना चाहिए." इसलिए, उन्होंने वर्तनी पुस्तकों, पढ़ने की पुस्तकों, भूगोल की पुस्तकों, विज्ञान की पुस्तकों, स्वास्थ्य पुस्तकों और शब्दकोश के अलावा अमेरिकी इतिहास की पुस्तकें भी लिखीं.

नोआ ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्कूल सुधार के लिए काम किया, गुलामी का विरोध किया, पहले कॉपीराइट कानून के लिए जोर दिया और वह एक शिक्षक, एक वकील, एक काउंटी कोर्ट जज, कनेक्टिकट की जनरल असेंबली और मैसाचुसेट्स के जनरल कोर्ट के सदस्य, एमहर्स्ट कॉलेज के संस्थापक के साथ-साथ वे और भी बहुत कुछ थे. वह अपने देश से बेहद प्यार करते थे.